Series : WYX7Z

SET ~ 1

प्रश्न-पत्र कोड **29/7/1**

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* | *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – **खण्ड क, ख** और **ग**।*

(iii) *तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(iv) *दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।*

(v) *यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

मन और मस्तिष्क में अंतर है। मस्तिष्क में अनगिनत चेतना की तरंगें उठती रहती हैं। मन उन तरंगों का समुच्चय (संगठन) है। मन को विद्वानों ने तीन मंजिला भवन – नववल्कल, वत्सल और सर्पिल माना है जिनमें भाव तरंगें उठती हैं और संवेगात्मक प्रक्रिया में विकसित होती हैं, फिर क्रियात्मक रूप धारण करती हैं। डॉ. रघुवंश ने अपनी अपंगता को संवेगात्मक सशक्तता प्रदान की और मन में सुदृढ़ता से यह निश्चय किया कि यह अपंगता उनके जीवन के किसी कार्य में बाधक नहीं होगी और जीवन भर, उनके मन की सुदृढ़ता कायम रही और वे हर क्षेत्र में आगे बढ़े। अपने हाथों के न होने को अपनी अक्षमता नहीं माना बल्कि व्यावहारिक योग्यता से पैरों से ही लिखने का अभ्यास किया और सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ते गए। उनका नव उत्साह से भरा मन हमेशा लेखन कार्य, सेवा कार्य में रमता है। हर प्रकार की स्वच्छता की भावना उनके स्वभाव का अभिन्न अंग रही है। बहुत से लोगों में यह स्वच्छता बाह्य रूप में ही मिलती है, पर डॉ. रघुवंश बाह्य और आंतरिक रूप में तो स्वच्छ हैं ही, अर्थ संबंधी मामलों में भी स्वच्छ हैं जो आजकल कम ही दिखाई देता है। किस युक्ति से वह रिक्शा में बैठने से पूर्व उस चालक की देय राशि निकालकर रख लेते हैं, यह विस्मयकारी है जिससे उनको साथ ले जाने वाला व्यक्ति अपने पास से रुपये न दे दें। उनके रहन-सहन व व्यक्तित्व में जितनी स्वच्छता मिलती है, उसका स्पष्ट प्रभाव उनके द्वारा संपादित कार्यों में परिलक्षित होता है।

यह सब कुछ संभव हो पाने के पीछे उनका मज़बूत मन तो है ही, साथ ही वह संकल्प शक्ति भी है जिसे विद्वानों ने मन का लक्षण कहा है और जिसे उन्होंने स्वत: ही धारण कर ली थी क्योंकि मन ही तो संकल्पमय होकर सक्रिय हो उठता है। संकल्प ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा है।

(i) गद्यांश के आधार पर मन क्या है ? *1*

(A) मस्तिष्क की तरंगों का समूह

(B) अतींद्रिय अनुभवों का केंद्र

(C) मस्तिष्क की तरंगों का केंद्र

(D) वैचारिक शक्ति का नियंत्रक

(ii) रिक्शेवाले का उदाहरण यहाँ किस उद्देश्य से दिया गया है ? *1*

(A) डॉ. रघुवंश के चरित्र की आर्थिक स्वच्छता दर्शाने के लिए

(B) डॉ. रघुवंश के चरित्र की व्यावहारिक स्वच्छता दर्शाने के लिए

(C) डॉ. रघुवंश के चरित्र की पवित्रता दर्शाने के लिए

(D) डॉ. रघुवंश के व्यक्तित्व की दृढ़ता दर्शाने के लिए

(iii) विद्वानों ने मन का लक्षण किसे कहा है ? *1*

(A) संकल्प

(B) चिंतन

(C) विचार

(D) इच्छा

(iv) मन किस प्रकार कार्य करता है ? *1*

(v) डॉ. रघुवंश ने अपनी शारीरिक अक्षमता को सक्षमता में कैसे बदला ? *2*

(vi) आंतरिक स्वच्छता व बाह्य स्वच्छता का अंतर स्पष्ट करते हुए लिखिए कि जीवन में किसका अधिक महत्त्व है और क्यों ? *2*

(vii) डॉ. रघुवंश के जीवन से आपको क्या प्रेरणा मिलती है ? *2*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

यह हार एक विराम है

जीवन महासंग्राम है

तिल-तिल मिटूँगा पर दया की भीख मैं लूँगा नहीं

वरदान माँगूगा नहीं।

स्मृति सुखद प्रहरों के लिए

अपने खंडहरों के लिए

यह जान लो मैं विश्व की संपत्ति चाहूँगा नहीं

वरदान माँगूगा नहीं।

क्या हार में क्या जीत में

किंचित नहीं भयभीत मैं

संघर्ष पथ पर जो मिले यह भी सही वह भी सही

वरदान माँगूगा नहीं।

लघुता न अब मेरी छुओ

तुम हो महान बने रहो

अपने हृदय की वेदना मैं त्यागूँगा नहीं

वरदान माँगूगा नहीं।

चाहे हृदय को ताप दो

चाहे मुझे अभिशाप दो

कुछ भी करो कर्तव्य पथ से किंतु भागूँगा नहीं

वरदान माँगूगा नहीं।

(i) कवि जीवन की लड़ाई लड़ना चाहते हैं : *1*

(A) ईश्वर के आशीर्वाद से

(B) समय के अभिशाप से

(C) भाग्य के भरोसे

(D) संघर्ष के बल से

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : *1*

कथन : कवि ईश्वर के वरदान और भाग्यफल में विश्वास नहीं रखता।

कारण : कवि जीवन से हार चुका है, उसे निराशा ने घेर लिया है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(iii) 'चाहे हृदय को ताप दो' – पंक्ति में 'हृदय को ताप देना' का अर्थ है : *1*

(A) सुख की ऊर्जा से भर देना

(B) घोर निराशा से भर देना

(C) रोग-पीड़ा से भर देना

(D) नकारात्मक विचारों से भर देना

(iv) यह कविता क्या प्रेरणा देती है ? *1*

(v) जीवन में मिलने वाली हार को विराम क्यों कहा गया है ? *2*

(vi) 'संघर्ष पथ पर जो मिले ...... वह भी सही' – पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

(क) एंकर बाइट किसे कहते हैं ? टेलीविज़न पत्रकारिता में इसका क्या महत्त्व है ? (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) *1*

(ख) पत्रकारीय साक्षात्कार और सामान्य बातचीत में क्या अंतर है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

(ग) लेख/आलेख विशेष रिपोर्ट से भिन्न कैसे है ? (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) संचार के मुद्रित माध्यम और इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों में से आपको कौन-सा माध्यम अधिक पसंद है और क्यों ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ख) समाचार-पत्र-पत्रिकाओं को कारोबार और अर्थ-जगत से जुड़ी खबरों के बिना संपूर्ण क्यों नहीं माना जा सकता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) भारत में इंटरनेट पत्रकारिता की क्या स्थिति है ? स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) मोबाइल टॉवरों का फैलता जाल

(ख) बारिश में खेलते बच्चे

(ग) रियलिटी शो : प्रतिभा की पहचान का मंच

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) 'शब्दों से जुड़ना ही कविता की दुनिया में प्रवेश करना है।' कथन के संदर्भ में कविता लेखन में शब्दों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

(ख) नाटक और रंगमंच जैसी विधा का सृजन मूलत: अस्वीकार के भीतर से ही होता है। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

(ग) कहानी लेखन में संवादों का क्या महत्त्व है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

अरुण यह मधुमय देश हमारा !
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर – नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर – मंगल कुंकुम सारा !
लघु सुरधनु से पंख पसारे – शीतल मलय समीर सहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए – समझ नीड़ निज प्यारा।

(i) काव्यांश में किसका वर्णन किया गया है ?

(A) भारत भूमि की प्राकृतिक सुंदरता का
(B) भारत के गौरवशाली अतीत का
(C) आकाश में उड़ते रंग-बिरंगे पक्षियों का
(D) उदित होते सूर्य की रंग-बिरंगी किरणों का

(ii) 'उड़ते खग' प्रतीकार्थ है :

(A) प्रवासी पक्षी (B) शरणार्थी
(C) उड़ान भरने वाले पक्षी (D) गतिशील मन

(iii) तरुशिखा कहाँ नृत्य कर रही है ?

(A) घास के हरे-भरे मैदान पर (B) पेड़ की ऊँची चोटियों पर
(C) तालाब में खिले कमलों पर (D) मैदान में खिले पुष्पों पर

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : भारत भूमि पर अनजान लोगों को भी आश्रय मिल जाता है।
कारण : अनजानों को सहारा देना और अपनाना भारत की विशेषता है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।
(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।
(C) कथन सही है तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।
(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(v) कवि ने भारत भूमि को 'मधुमय' क्यों कहा है ?

(A) भारत में पाई जाने वाली सरस वनस्पति के कारण

(B) देश के प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण होने के कारण

(C) देश में बहने वाली सदानीरा नदियों के कारण

(D) प्रेम और माधुर्य से परिपूर्ण भारतीयों के कारण

8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) ' 'सरोज स्मृति' कवि का एक शोक गीत है।' तर्कपूर्ण उत्तर से सिद्ध कीजिए।

(ख) 'यह वह विश्वास, नहीं जो अपनी लघुता में भी काँपा' – 'यह दीप अकेला' कविता की पंक्ति के संदर्भ में लघु मानव की विशेषता स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बनारस शहर का धार्मिक और ऐतिहासिक वातावरण वर्षों से वैसा का वैसा बना है।' 'बनारस' कविता के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) मैंने देखा
एक बूँद सहसा
उछली सागर के झाग से;
रंग गई क्षणभर
ढलते सूरज की आग से।
मुझको दीख गया :
सूने विराट् के सम्मुख
हर आलोक – छुआ अपनापन
है उन्मोचन
नश्वरता के दाग से !

अथवा

(ख) फागुन पवन झँकोरै बहा। चौगुन सीउ जाइ किमि सहा ।।
तन जस पियर पात भा मोरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा ।।
तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भइ अनपत्त फूल फर साखा ।।
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू ।।

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

मैं तो शहर से या आदमियों से डरकर जंगल इसलिए भागा था कि मेरे सिर पर सींग निकल रहे थे और डर था कि किसी-न-किसी दिन किसी की नज़र मुझ पर जरूर पड़ जाएगी।

जंगल में मेरा पहला ही दिन था जब मैंने बरगद के पेड़ के नीचे एक शेर को बैठे हुए देखा। शेर का मुँह खुला हुआ था। शेर का खुला मुँह देखकर मेरा जो हाल होना था वही हुआ, यानी मैं डर के मारे एक झाड़ी के पीछे छिप गया।

मैंने देखा कि झाड़ी की ओट भी गज़ब की चीज़ है। अगर झाड़ियाँ न हों तो शेर का मुँह-ही-मुँह हो और फिर उससे बच पाना कठिन हो जाए। कुछ देर बाद मैंने देखा कि जंगल के छोटे-मोटे जानवर एक लाइन से चले आ रहे हैं और शेर के मुँह में घुसते चले जा रहे हैं। शेर बिना हिले-डुले, बिना चबाए, जानवरों को गटकता जा रहा है। यह दृश्य देखकर मैं बेहोश होते-होते बचा।

(i) 'सींग निकलना' से क्या आशय है ?

(A) हिंसक होना (B) विरोध करना

(C) पशु बनना (D) वयस्क होना

(ii) गद्यांश में शहर से जंगल की ओर भागने का सांकेतिक कारण लेखक ने क्या माना है ?

(A) आदमियों से डरना

(B) जंगल की सैर करना

(C) शहरी जीवन से थकना

(D) व्यवस्था के कहर से बचना

(iii) गद्यांश में 'शेर' प्रतीकार्थ है :

(A) हिंसक पशु (B) व्यवस्था

(C) जंगल का राजा (D) धनी वर्ग

(iv) जानवर शेर के मुँह में क्यों चले जा रहे थे ?

(A) उससे भयभीत होने के कारण

(B) किसी न किसी प्रलोभन के कारण

(C) पारंपरिक नियम होने के कारण

(D) अंधविश्वासी होने के कारण

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : जंगल के छोटे-मोटे जानवर शेर के मुँह में घुसते चले जा रहे थे।

कारण : शेर अहिंसावादी, न्यायप्रिय और बुद्ध का अवतार था।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

11. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) विस्थापन से पूर्व वे कैसे परिवेश में रहते होंगे, किस तरह की ज़िंदगी बिताते होंगे, इसका दृश्य अपने स्वच्छ, पवित्र खुलेपन में पहली बार अमझर गाँव में देखने को मिला। पेड़ों के घने झुरमुट, साफ़-सुथरे खप्पर लगे मिट्टी के झोंपड़े और पानी। चारों तरफ पानी। अगर मोटर – रोड की भागती बस की खिड़की से देखो, तो लगेगा जैसे समूची ज़मीन एक झील है, एक अंतहीन सरोवर, जिसमें पेड़, झोंपड़े, आदमी, ढोर-डाँगर आधे पानी में, आधे ऊपर तिरते दिखाई देते हैं, मानो किसी बाढ़ में सब कुछ डूब गया हो, पानी में धँस गया हो। किंतु यह भ्रम है ... यह बाढ़ नहीं, पानी में डूबे धान के खेत हैं। अगर हम थोड़ी सी हिम्मत बटोरकर गाँव के भीतर चलें, तब वे औरतें दिखाई देंगी जो एक पाँत में झुकी हुई धान के पौधे छप-छप पानी में रोप रही हैं।

अथवा

(ख) बलिहारी है इस मादक शोभा की। चारों ओर कुपित यमराज के दारुण निःश्वास के समान धधकती लू में भी यह हरा भी है और भरा भी है, दुर्जन के चित्त से भी अधिक कठोर पाषाण की कारा में रुद्ध अज्ञात जलस्रोत से बरबस रस खींचकर सरस बना हुआ है। और मूर्ख के मस्तिष्क से भी अधिक सूने गिरि कांतार में भी ऐसा मस्त बना है कि ईर्ष्या होती है। कितनी कठिन जीवनी-शक्ति है ! प्राण ही प्राण को पुलकित करता है, जीवनी-शक्ति ही जीवनी शक्ति को प्रेरणा देती है। दूर पर्वतराज हिमालय की हिमाच्छादित चोटियाँ हैं, वहीं कहीं भगवान महादेव समाधि लगाकर बैठे होंगे; नीचे सपाट पथरीली ज़मीन का मैदान है, कहीं-कहीं पर्वतनंदिनी सरिताएँ आगे बढ़ने का रास्ता खोज रही होंगी – बीच में यह चट्टानों की ऊबड़-खाबड़ जटाभूमि है – सूखी, नीरस, कठोर। यहीं आसन मारकर बैठे हैं मेरे चिरपरिचित दोस्त कुटज।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'बालक बच गया' प्रसंग के संदर्भ में लिखिए कि स्कूल के वार्षिकोत्सव में बालक से उसकी उम्र और योग्यता से बढ़-चढ़ कर सवाल क्यों पूछे जा रहे थे।

(ख) 'संवदिया' कहानी के आधार पर लिखिए कि बड़ी हवेली से आने वाले बुलाहट पर संवदिया की क्या प्रतिक्रिया हुई।

(ग) 'दूसरा देवदास' कहानी में मंसा देवी पर होने वाले किस व्यापार की बात कही गई है ?

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(क) 'झोंपड़ी जला दिए जाने के बाद भी सूरदास प्रतिशोध में नहीं पुनर्निर्माण में विश्वास रखता है।' सूरदास जैसे व्यक्ति की वर्तमान समय में क्या प्रासंगिकता है ? टिप्पणी कीजिए।

(ख) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर बिस्कोहर में होने वाली वर्षा का वर्णन कीजिए, साथ ही गाँव वालों को उसके बाद होने वाली कठिनाइयों का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'सदानीरा नदियाँ अब मालवा के गालों के आँसू भी नहीं बहा सकतीं' कथन के संदर्भ में लिखिए देश के अन्य हिस्सों में नदियों की क्या स्थिति है और इसके क्या कारण हैं ?